BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..................... **Date:..........................**

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS COMPILED BY MEDIA CELL (25.06.2025)

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR
DATE:25.06.2025, PAGE-04

विवि में तैयार हुआ हर्बल आइसक्रीम

- यह आइसक्रीम शरीर में बढ़ायेगा प्रतिरोधक क्षमता
- प्रतिष्ठित रिसर्च जर्नल में शोध प्रकाशित

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। बीआरएबीयू के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने एक हर्बल आइसक्रीम तैयार की है, जो स्वाद और स्वास्थ्य का अद्भुत मिश्रण है। तुलसी, मुलेठी और सौंफ जैसी औषधीय जड़ी-बूटियों से युक्त, यह आइसक्रीम एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर है और स्वाद से समझौता किए बिना स्वास्थ्य लाभ सुनिश्चित करती है।

2.7 इंपैक्ट फैक्टर वाले शीर्ष क्यू1 जर्नल, प्रतिष्ठित जर्नल ऑफ स्टोर्ड प्रोडक्ट्स रिसर्च में यह महत्वपूर्ण अध्ययन प्रकाशित हुआ है। पिछले एक वर्ष में यह प्रो. राय का 20वां विश्वस्तरीय शोध पत्र है, जिसने अकादमिक समुदाय से व्यापक प्रशंसा अर्जित की है।

प्रो. दिनेश चंद्र राय के नेतृत्व में शशांक शाक्य, अंकुर अग्रवाल, तरुण वर्मा, कुणाल नागर, आकाश सिंह और बालकृष्ण सिंह सहित अनुसंधान दल ने दूध, क्रीम, चीनी और स्टेबलाइजर्स के पारंपरिक आइसक्रीम बेस में 1:1:1 अनुपात में पवित्र तुलसी, मुलेठी और सौंफ को मिश्रित करके हर्बल आइसक्रीम विकसित की।

कुलपति ने कहा कि आइसक्रीम एक ट्रीट से कहीं अधिक है। यह प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा दे सकता है और सर्दी, खांसी यहां तक कि रक्त शर्करा के स्तर जैसी स्वास्थ्य समस्याओं का प्रबंधन करने में मदद कर सकता है।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:.................... **Date:..........................**

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE:25.06.2025, PAGE-04

यह बुद्ध और ज्ञान की धरती : उपराष्ट्रपति

एलएन मिश्रा कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के कार्यक्रम में हुए शामिल, छात्रों को संसद की कार्यवाही देखने का दिया न्योता

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को एलएन मिश्रा कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट में कहा कि बिहार बुद्ध और ज्ञान की धरती है। मेरा मुजफ्फरपुर आने का सपना आज पूरा हो गया। उन्होंने छात्रों को संसद आने और वहां की कार्यवाही देखने का भी न्योता दिया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि बिहार शिक्षा का वैश्विक हब रहा है। नालंदा विवि पांचवीं सदी में आवासीय विवि था। यहां चीन, जापान जैसे देशों से लोग पढ़ने आते थे। नालंदा के अलावा विक्रमशिला विवि भी यहीं है। आज लोग ऑक्सफोर्ड, कैंब्रिज एवं हावर्ड की बात करते हैं। यदि तीनों को एक साथ मिला लें फिर भी नालंदा के बराबर नहीं होता है।

नालंदा, विक्रमशिला एवं ओदंतपुरी यह तीन मूर्तियां, हमें हमेशा प्रोत्साहित करती हैं कि हम कहां थे और हमें कहां जाना है। 800 वर्ष पहले तक नालंदा में चीन, कोरिया, जापान, तिब्बत एवं मध्य एशिया से लोग शिक्षा ग्रहण के लिए आते थे। दस हजार विद्यार्थी और दो हजार शिक्षकों के साथ यह एक आवासीय विश्वविद्यालय था। नालंदा सिर्फ विश्वविद्यालय नहीं था, बल्कि अपने आप में यह एक सभ्यता थी। बिहार भारत के दार्शनिक आधार का जन्मस्थल है। यह जैन धर्म की भूमि है, जहां भगवान महावीर को आध्यात्मिक जागृति प्राप्त हुई। यहां भगवान बुद्ध को बोधि वृक्ष के नीचे ज्ञान की प्राप्ति हुई। चंपारण सत्याग्रह बिहार की भूमि पर हुआ है। बिहार आध्यात्मिक धरती है।

मंगलवार को कार्यक्रम के दौरान एलएन मिश्रा कॉलेज में पौधे लगाते उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़।

पहलगाम का जवाब श्रेष्ठ मापदंडों पर दिया

उपराष्ट्रपति ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले का जवाब श्रेष्ठ मापदंडों पर दिया। आतंकियों के ठिकाने पर हमला किया और उन्हें सही तरीके से सबक सिखा दिया। पीएम ने सबक भी सिखा दिया और ऑपरेशन भी समाप्त नहीं किया। इसका सबूत दुश्मन ने ही दे दिया।

डॉ. जगन्नाथ मिश्रा से आत्मीय संबंध

उपराष्ट्रपति ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री डॉ जगन्नाथ मिश्र से उनका आत्मीय संबंध रहा है। वर्ष 1989 से वह एक दूसरे से जुड़े। ललित नारायण मिश्रा, फिर डॉ. जगन्नाथ मिश्रा और अब नीतीश मिश्रा इस विरासत को संभाल रहे हैं और कॉलेज का विकास कर रहे हैं। उपराष्ट्रपति ने इस बात पर प्रसन्नता जताई कि कॉलेज नई शिक्षा नीति के मूल तत्वों को आत्मसात करते हुए नवाचार, डिजिटल तकनीक व कौशल आधारित कार्यक्रमों को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कॉलेज को विकसित भारत के निर्माण में एक मजबूत कड़ी बताया।

सामाजिक परिवर्तन का लक्ष्य रखें युवा

उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे केवल नौकरी नहीं, बल्कि समाज में परिवर्तन लाने का लक्ष्य रखें और भारत को आत्मनिर्भर बनाने में भूमिका निभाएं। मौके पर सांसद वीणा देवी, विधायक अशोक कुमार सिंह, विधान पार्षद प्रो. संजय कुमार सिंह, पूर्व मंत्री सुरेश शर्मा, अजीत कुमार, मेयर निर्मला साहू, उत्तर बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्याम सुंदर भीमसेरिया, बीआरएबीयू के कुलानुशासक डॉ. बीएस राय, परीक्षा नियंत्रक डॉ. रामकुमार, सीनेटर सत्येंद्र कुमार सिंह, एलएस कॉलेज के प्राचार्य डॉ. ओपी राय आदि मौजूद रहे।

युवा हमारी ताकत हैं...

मुजफ्फरपुर। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज दुनिया भारत की तरफ देख रही है। हमारी ताकत हमारे युवा हैं। देश के युवाओं की औसत उम्र 28 साल है। उन्होंने मुजफ्फरपुर की चर्चा करते हुए कहा कि यह सांस्कृतिक इतिहास को समेटे हुए है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर उपराष्ट्रपति ने कहा कि बीच में हमारी शिक्षा में भटकाव आ गया था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उसे ठीक किया और राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की। राष्ट्रीय शिक्षा नीति हमें उपनिवेशवाद से मुक्त करेगा। मौके पर एलएन मिश्रा कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के स्वायत्त होने की शुरुआत भी उपराष्ट्रपति ने की।

भारतीय ज्ञान परंपरा जरूरी : उपराष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रवाद हमारा धर्म है और राष्ट्र सर्वोपरि है। हमारी संस्कृति समरसता की संस्कृति की है। वैदिक ग्रंथों में काफी जानकारियां दी गई हैं। हमारी शिक्षा मूल्य आधारित रही है। हमारे देश में शिक्षा का व्यवसायीकरण नहीं हुआ है। हमारी शिक्षा का सिद्धांत चरित्र और मूल्य निर्माण का रहा है। भारतीय ज्ञान परंपरा हमारे युवाओं के लिए बहुत जरूरी है। हमारे वेदांत, उपनिषद, रामायण, महाभारत जैसे ग्रंथ वसुधैव कुटुंबकम का संदेश देती है। हमारे पास पांच हजार सालों का इतिहास है, जो दुनिया के किसी देश के पास नहीं है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति युवाओं को रोजगार देगी और अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगी। वह दिन दूर नहीं, जब भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। आज हमारे युवाओं के पास कई विकल्प हैं जो पहले नहीं थे।

स्मृति चिन्ह की भेंट

कार्यक्रम में बीआरएबीयू के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने कहा कि उपराष्ट्रपति का आना हमारे लिए गर्व की बात है। उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा और पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने भी उपराष्ट्रपति के आने को गर्व का क्षण बताया। मंत्री नीतीश मिश्रा ने उपराष्ट्रपति को मधुबनी चित्रकला से बने अंग वस्त्र और संसद के चित्र का स्मृति चिह्न भेंट किया। एलएन मिश्रा कॉलेज के निदेशक मनीष कुमार ने अनसीन ऑफ बिहार नाम की किताब भेंट की।

बिहार की तारीफ

- कहा, ऑक्सफोर्ड, कैंब्रिज, हावर्ड को मिलाकर भी नालंदा विवि का मुकाबला नहीं हो सकता
- बोले, आपातकाल के अंधेरे के खिलाफ बिहार की भूमि से जेपी ने खड़ी की थी जागृति
- संसद, विधानसभा मंदिर है, वहां आमजन के कष्टों का निराकरण करें सांसद, विधायक

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR
BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR
PIN-842001 (BIHAR)
Website:-www.brabu.net

Ref:.................... **Date:..........................**

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR
DATE:25.06.2025, PAGE-06

कॉलेजों में सीटों की पड़ताल के लिए बनेगी कमेटी

बैठक

मुजफ्फरपुर । बीआरएबीयू में मंगलवार को नामांकन समिति की बैठक हुई। कुलपति ने इसकी अध्यक्षता की। बैठक में अंगीभूत कॉलेजों और संबद्ध कॉलेजों की सीटों पर चर्चा की गई।

बैठक में तय किया गया कि सभी संबद्ध कॉलेजों में हिस्ट्री, हिन्दी, राजनीति विज्ञान, होम साइंस, भूगोल और जूलॉजी में सीटों की संख्या की पड़ताल की जायेगी। इसके लिए पांच सदस्यीय एक कमेटी बनेगी। यह कमेटी देखेगी कि संबद्ध कॉलेजों में इन विषयों में कितनी सीटें हैं और कितने दाखिले होते हैं। संबद्ध कॉलेजों के अलावा अंगीभूत और अनुदानित कॉलेजों में भी सीट और दाखिले की पड़ताल कमेटी करेगी।

कमेटी की रिपोर्ट के बाद ही स्नातक में दाखिले के लिए मेरिट लिस्ट जारी की जायेगी। डीएसडब्ल्यू प्रो. आलोक प्रताप सिंह ने सत्र 2023-27 और 2024-28 में कॉलेजों में कितनी फीस ली गई, इसका ब्योरा भेजने का निर्देश दिया।

बैठक में प्रॉक्टर प्रो. विनय राय, रजिस्ट्रार प्रो. समीर शर्मा आदि थे। प्रो. ममता रानी, प्रो. राजीव कुमार, प्रो. टीके डे, प्रो. शिवानंद सिंह व प्रो. सतीश कुमार राय शामिल रहे।

Ref:.................... **Date:..........................**

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE: 25.06.2025, PAGE04

स्नातक में नामांकन से पहले सीटों की होगी समीक्षा

जुलाई के पहले सप्ताह में नामांकन के लिए जारी होगी पहली मेधा सूची, बनेगी पांच सदस्यीय कमेटी

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में स्नातक में सीटों की एकरूपता लागू होगी। इसके लिए संबद्ध कालेजों में पिछले दिनों बढ़ाई गई सीटों की समीक्षा और संशोधन होगा। इसके लिए विश्वविद्यालय स्तर से कमेटी का गठन होगा। संबद्ध कालेजों की मांग पर कई विषयों में बढ़े हुए सीटों पर नामांकन की समीक्षा होगी। विश्वविद्यालय स्तर से पांच सदस्यीय समिति का गठन होगा। इसमें प्राक्टर प्रो. बीएस राय, डीएसडब्ल्यू समेत अन्य सदस्य हो सकते हैं। अधिसूचना जारी होने के साथ ही कमेटी अपना कार्य शुरू कर देगी। आठ से दस दिनों में कमेटी अनुदानित कालेजों, स्थायी संबद्धता प्राप्त कालेजों और नए संबंधन प्राप्त कालेजों में विभिन्न विषयों में सीटों की समीक्षा करेगी। अगर कमिटी के सदस्यों को लगता है कि कालेजों में विषयवार आवश्यकता से अधिक सीटों में वृद्धि हुई है तो इसमें संशोधन होगा।

- कुलपति की अध्यक्षता में आयोजित नामांकन समिति की बैठक में हुए निर्णय
- संबद्ध कालेजों की मांग पर कई विषयों में बढ़े हुए सीटों पर नामांकन की होगी समीक्षा

नामांकन को लेकर बैठक करते कुलपति • जागरण

पिछले वर्षों में बढ़ाई गई सीटें हो जाएंगी कम

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में पिछले कुछ वर्षों में संबद्ध कालेजों में लगातार सीटों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। बताया जा रहा है कि कमेटी के स्तर से समीक्षा के बाद सीटों की संख्या घटाई जा सकती है। विश्वविद्यालय के तहत आने वाले सभी कालेजों को मिलाकर करीब तीन लाख के आसपास सीटें उपलब्ध है।

दो सत्रों का नामांकन शुल्क उपलब्ध कराना अनिवार्य

सभी कालेजों को पिछले दो सत्रों में स्नातक में नामांकन के लिए के लिए छात्र-छात्राओं से लिए गए शुल्क का विवरण विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना होगा। डीएसडब्ल्यू डा. आलोक प्रताप सिंह ने बताया कि स्नातक में फीस की एकरूपता लागू होगी। एक ही विषय से स्नातक में नामांकन के लिए दो कालेजों में अलग - अलग शुल्क है। कई कालेजों की ओर से अधिक शुल्क लिया जाता है। इसकी लगातार शिकायत छात्र-छात्राओं की ओर से की जाती है। उन्होंने बताया कि संबद्ध कालेजों में छह विषयों में सीटों में एकरूपता नहीं है। किसी कालेज में एक विषय में 500 सीटें हैं तो किसी कालेज में 200 है। किसी महाविद्यालय में दो हजार से अधिक नामांकन है तो कहीं 200 विद्यार्थियों का नामांकन है।

स्नातक में होने वाले नामांकन से पहले सीटों की समीक्षा करेगी कमेटी

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के प्राक्टर प्रो. बीएस राय ने बताया कि स्नातक में होने वाले नामांकन से पहले सीटों की समीक्षा पांच सदस्यीय कमेटी करेगी। स्नातक कोर्स में फीस की एकरूपता लागू होगी। मनमाना शुल्क लेने वाले कालेजों पर कार्रवाई होगी। बैठक में डीएसडब्ल्यू डा. आलोक प्रताप सिंह, सभी संकायों के डीन, रजिस्ट्रार प्रो. समीर कुमार शर्मा, आरबीबीएम कालेज की प्राचार्य डा. ममता रानी, परीक्षा नियंत्रक डा. राम कुमार, यूएमआइएस समन्वयक डा. टीके डे समेत अन्य शामिल हुए। आरबीबीएम कालेज की प्राचार्या डा. ममता रानी ने कहा कि स्नाकतक के इंटरनल परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय की ओर से शुल्क नहीं दिया जाता है।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:.................... **Date:..........................**

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE:25.06.2025, PAGE-04

विवि की हर्बल आइसक्रीम : गला खराब नहीं, सेहत भी लाजवाब

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

- तुलसी, मुलेठी व सौंफ जैसी औषधीय जड़ी-बूटियों से है युक्त
- वीसी की अगुवाई में दल ने किया शोध, मिले अच्छे परिणाम
- हर्बल आइसक्रीम स्वाद के साथ सेहत का है बेजोड़ संतुलन

बीआरएबीयू के कुलपति प्रो दिनेश चंद्र राय के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने ऐसी हर्बल आइसक्रीम विकसित की है जो स्वाद व स्वास्थ्य का बेजोड़ संतुलन है. इस उत्पाद में तुलसी, मुलेठी व सौंफ जैसी औषधीय जड़ी-बूटियां शामिल हैं. वह एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर है और स्वाद से समझौता किए बगैर स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है. बताया कि यह अहम अध्ययन 2.7 के प्रभावशाली इंपैक्ट फैक्टर वाले शीर्ष क्यू-1 जर्नल, प्रतिष्ठित जर्नल ऑफ स्टोर्ड प्रोडक्ट्स रिसर्च में छपा है. यह पिछले एक वर्ष में प्रो राय का 20वां विश्व स्तरीय शोध पत्र है, जिसे अकादमिक समुदाय से प्रशंसा मिली है. प्रो दिनेश चंद्र राय के मार्गदर्शन में शशांक शाक्य, अंकुर अग्रवाल, तरुण वर्मा, कुणाल नागर, आकाश सिंह व बालकृष्ण सिंह सहित अनुसंधान दल ने पारंपरिक आइसक्रीम बेस में तुलसी, मुलेठी व सौंफ को एक अनुपात में मिलाकर यह हर्बल आइसक्रीम तैयार की.

90 दिनों से अधिक परीक्षण : आइसक्रीम का स्वाद, स्थिरता व सुरक्षा के लिए 90 दिनों से अधिक समय तक परीक्षण किया गया, जिससे यह साबित हुआ कि यह जमे हुए भंडारण में भी ताजा व सुरक्षित रहती है. कुलपति ने बताया यह आइसक्रीम सिर्फ एक स्वादिष्ट व्यंजन से कहीं अधिक है. यह एक कार्यात्मक भोजन है, जो प्रतिरक्षा को बढ़ावा दे सकता है और सर्दी, खांसी व यहां तक कि रक्त शर्करा के स्तर जैसी स्वास्थ्य समस्याओं के प्रबंधन में मदद कर सकता है. उम्मीद जताई कि यह अनुसंधान पौष्टिक मिठाई का विकल्प प्रदान करके सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में सक्षम होगा.

- वेबसाइट पर खबर पढ़ने के लिए क्यू आर स्कैन कर लें

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR
DATE:25.06.2025, PAGE-04

जुलाई के पहले सप्ताह से शुरू होंगी परीक्षाएं

मुजफ्फरपुर. बीआरएबीयू ने जुलाई के पहले सप्ताह से विभिन्न परीक्षाओं के आयोजन की घोषणा कर दी है. अधिसूचना के अनुसार, अधिकांश परीक्षाएं 4 व 8 जुलाई से शुरू होंगी, जबकि कुछ कोर्स की परीक्षाएं 5 व 10 जुलाई से प्रारंभ होंगी. परीक्षा नियंत्रक द्वारा जारी निर्देशों के तहत सभी कॉलेजों व पीजी विभागों को विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम भेज दिया गया है. छात्रों को सलाह दी गई है कि वे अपने संबंधित कॉलेज या पीजी विभाग से विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम की जानकारी प्राप्त कर लें.

- **बीबीए व बीसीए:** द्वितीय व चतुर्थ सेमेस्टर
- **एमबीए :** द्वितीय व चतुर्थ सेमेस्टर
- **एमसीए:** द्वितीय, चतुर्थ व षष्ठम सेमेस्टर
- पीजीडीसीए
- पीजी डिप्लोमा इन हिंदी जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन
- पीजी डिप्लोमा योगिक स्टडीज
- बीलिस
- एमएससी फिश एंड फिशरीज
- **वोकेशनल टीडीसी :** पार्ट वन, पार्ट टू व पार्ट थर्ड
- फैशन डिजाइनिंग

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:.....................   Date:...........................

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE: 25.06.2025, PAGE-02

जगदीप धनखड़ का मुजफ्फरपुर से गहरा लगाव, डॉ जगन्नाथ मिश्र के कारण बना रिश्ता, शहर के रामावतार टीकमानी से भी रहा परिचय

शिक्षा का वैश्विक केंद्र है बिहार : उपराष्ट्रपति

एलएन मिश्र कॉलेज ज्ञान और कौशल से बिहार को करेगा गौरवान्वित

एलएन मिश्र कॉलेज का प्रतीक चिह्न दिखाते उपराष्ट्रपति.

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाएं.

उपमुख्य संवाददाता, मुजफ्फरपुर.

एलएन मिश्रा कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट में समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मुजफ्फरपुर से उनका गहरा लगाव रहा है. 1989 में जब वह सांसद बने थे, उस समय डॉ जगन्नाथ मिश्र बिहार में तीसरी बार मुख्यमंत्री बने. उनके कारण जिससे मेरा रिश्ता बना, वह मेरे बहुत काम आया. दूसरे यहां के रामावतार टीकमानी थे, उनसे भी मेरा बहुत लगाव था. एलएन मिश्रा भी यहीं के सपूत थे. तीन बार लोकसभा सांसद और दो बार राज्य सभा के सांसद रहे. मैं नीतीश मिश्रा का आभारी हूं, उनके कारण इस पवन भूमि पर आने का सौभाग्य मिला. यहां आकर एक ताकत मिली है.

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत वह देश है, जहां ज्ञान को साधना माना गया है - सा विद्या या विमुक्तये. उन्होंने नई शिक्षा नीति 2020 को शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन का दस्तावेज बताते हुए कहा कि यह नीति भारत को वैश्विक नेतृत्व देने की दिशा में एक ठोस कदम है. यह राष्ट्र निर्माण मिशन है, जो भारत को शैक्षणिक महाशक्ति के रूप में स्थापित करेगा. बिहार शिक्षा का वैश्विक केंद्र रहा है. आज लोग ऑक्सफोर्ड, कैंब्रिज एवं हार्वर्ड की बात करते हैं, यदि तीनों को एक साथ मिला लें फिर भी नालंदा के बराबर नहीं होता है. उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमारे वेद, उपनिषद, रामायण, तर्कशास्त्र और चरक संहिता में वसुधैव कुटुम्बकम की बात कही गयी है, जो दुनिया के किसी देश के पास नहीं है.

कार्यक्रम की शुरुआत में उपराष्ट्रपति ने कॉलेज परिसर में डॉ जगन्नाथ मिश्र की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और अपनी माता केसरी देवी व पिता गोकल चंद की स्मृति में पौधारोपण भी किया. इस मौके पर सांसद वीणा देवी, विधायक अशोक कुमार सिंह, विधान पार्षद प्रो संजय कुमार सिंह, पूर्व मंत्री सुरेश शर्मा, पूर्व मंत्री अजीत कुमार, मेयर निर्मला साहू, चैंबर के अध्यक्ष श्याम सुंदर भीमसेरिया, बीआर आंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय के कुलानुशासक डॉ बीएस राय, परीक्षा नियंत्रक डॉ राम कुमार, सीनेटर सत्येंद्र कुमार सिंह, एलएस कॉलेज के प्राचार्य डॉ ओपी राय, एलएन मिश्रा कॉलेज के निदेशक डॉ मनीष कुमार, कुलसचिव कुमार शरतेंदु शेखर सहित अन्य मौजूद रहे.

श्रेष्ठ मापदंड के साथ आतंकवाद को दिया जवाब. उपराष्ट्रपति ने पहलगाम का जवाब श्रेष्ठ मापदंड के आधार पर दिया. जिनको सबक सिखानी थी, उसे सही तरीके से सिखाया. आतंकवादियों के ठिकाने पर सीधा आक्रमण किया. सीमा के पार उनके सबसे बड़े प्रांत के बीच में प्रहार किया. जब कब्रिस्तान में शव को ले जाया जा रहा था तो वहां आतंकवादी, सेना और नेता भी थे. किसी ने कोई सुबूत नहीं मांगा. सुबूत दुश्मन ने ही दे दिया. एक लक्ष्य गांधी की भूमि है. एक लक्ष्य शांति के दूत हैं. शांति का कोई विकल्प नहीं है. पीएम ने सबक भी सिखा दिया और ऑपरेशन को भी समाप्त नहीं किया. संदेश दे दिया, अब बर्दाश्त नहीं करेंगे.

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कॉलेज आदर्श मॉडल

सूबे के उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि यूजीसी से कॉलेज को ऑटोनॉमी स्टेटस मिलने से नयी यात्रा की शुरुआत हो रही है. वर्ष 20247 तक विकसित भारत के संकल्प में यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभायेगा. उन्होंने कहा कि कॉलेज को ऑटोनॉमी स्टेट्स मिलना बड़ी बात होती है. बिहार में दो या तीन कॉलेजों को ही यह स्टेट्स प्राप्त है. एलएन मिश्रा कॉलेज बिहार में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक आदर्श मॉडल

उपराष्ट्रपति हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत

बीआरए अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ दिनेश चंद्र राय ने कहा कि उपराष्ट्रपति का यहां आना गौरव की बात है. ये देश प्रेम से ओतप्रोत हैं और देश के सर्वोच्च आसन पर विराजमान हैं. ये हम सभी के साथ युवाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत हैं. कुलपति ने संस्थान के अकादमिक प्रदर्शन और सामाजिक योगदान को विश्वविद्यालय के लिए गौरव बताया.

उप राष्ट्रपति के मुजफ्फरपुर आगमन पर पताही एयरपोर्ट पर स्वागत करतीं महापौर निर्मला साहू.

पताही एयरपोर्ट पर स्वागत करते तिरहुत प्रमंडल के कमिश्नर राजकुमार, डीआइजी चंदन कुशवाहा.

सिर्फ नौकरी नहीं, समाज परिवर्तन का भी लक्ष्य रखें

उपराष्ट्रपति ने बिहार के युवाओं से आह्वान किया कि वे सिर्फ नौकरी नहीं, बल्कि समाज में परिवर्तन लाने का लक्ष्य रखें और भारत को आत्मनिर्भर बनाने में अपनी भूमिका निभायें. उन्होंने कहा कि दस वर्ष की यात्रा को देखेंगे तो भारत ने बड़ी छलांग लगायी है. आर्थिक क्षेत्र की आधारभूत संरचना में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है. हम विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गये हैं, लेकिन वह दिन भी दूर नहीं जब हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जायेंगे. दुनिया के स्तर पर भारत सबसे बड़ी छलांग लगाने वाला राष्ट्र है. सर्वाधिक आकांक्षाओं को पूरा करने वाला देश है. आपकी आकांक्षा पूरा करने के लिए अनेक विकल्प हैं, जो पहले नहीं थे.

विकसित भारत के निर्माण में कॉलेज मजबूत कड़ी

उपराष्ट्रपति ने इस बात पर खुशी जतायी कि एलएन मिश्रा कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट नई शिक्षा नीति के मूल तत्वों को आत्मसात करते हुए नवाचार, डिजिटल तकनीक और कौशल आधारित कार्यक्रमों को बढ़ावा दे रहा है. उन्होंने कॉलेज को विकसित भारत 2047 के निर्माण में एक मजबूत कड़ी बताया. उन्होंने कहा कि कॉलेज को ऑटोनॉमी स्टेट्स मिलना संयुक्त प्रयास है. उन्होंने संस्थान के प्रबंधन, शिक्षकों, छात्रों और पूर्व छात्रों को उनकी उत्कृष्ट शैक्षिक यात्रा के लिए बधाई दी और कहा कि यह संस्थान भविष्य में ज्ञान और कौशल की राजधानी के रूप में बिहार को गौरवान्वित करता रहेगा.

prabhatkhabar.com पर संबंधित खबर देखने के लिए स्कैन करें

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR
BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR
PIN-842001 (BIHAR)
Website:-www.brabu.net

Ref:.................... **Date:..........................**

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR
DATE: 25.06.2025, PAGE-04

नामांकन समिति की बैठक में लिया गया निर्णय

विवि में स्नातक की सीटों में एकरूपता लागू होगी

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरएबीयू में स्नातक (ग्रेजुएशन) सीटों को लेकर बड़ा बदलाव होने जा रहा है. विवि संबद्ध कॉलेजों में स्नातक सीटों की एकरूपता लागू करेगा. इसके लिए हाल ही में बढ़ायी गयी सीटों की समीक्षा की जायेगी. मंगलवार को कुलपति प्रो डीसी राय की अध्यक्षता में हुई नामांकन समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया. विवि स्तर पर पांच सदस्यीय समिति का गठन किया जायेगा, जो विभिन्न विषयों में सीटों की गहन समीक्षा करेगी. इसमें प्रॉक्टर प्रो बीएस राय व डीएसडब्ल्यू डॉ आलोक प्रताप सिंह सहित अन्य सदस्य शामिल होंगे. अधिसूचना जारी होते ही यह समिति अपना काम शुरू कर देगी. अगले आठ से दस दिनों में समिति अनुदानित, स्थायी संबद्धता प्राप्त व नये संबद्धता प्राप्त कॉलेजों में विभिन्न विषयों में सीटों का मूल्यांकन करेगी. इस समीक्षा के बाद, स्नातक में नामांकन के लिए प्राप्त आवेदनों के आधार पर जुलाई के पहले सप्ताह में पहली मेरिट सूची जारी की जायेगी. इसी के आधार पर कॉलेजों में नामांकन प्रक्रिया होगी. बैठक में डीएसडब्ल्यू डॉ. आलोक प्रताप सिंह, सभी संकायों के डीन, रजिस्ट्रार प्रो समीर शर्मा, आरबीबीएम कॉलेज की प्राचार्या डॉ ममता रानी, परीक्षा नियंत्रक डॉ राम, यूएमआइएस समन्वयक डॉ टीके डे सहित अन्य अधिकारी शामिल हुए.

विश्वविद्यालय गेस्ट हाउस मे बैठक करते कुलपति प्रो दिनेश चंद्र राय व अन्य.

सीटों की समीक्षा क्यों

पिछले वर्षों मे हिंदी, राजनीति विज्ञान, इतिहास, जूलॉजी, मनोविज्ञान व होम साइंस जैसे विषयों मे अधिक आवेदनों के आधार पर संबद्ध कॉलेजों मे लगातार सीटों में वृद्धि हुई है. 25-29 मे होनेवाले नामांकन के लिए भी कॉलेजों ने सीट बढ़ाने के आवेदन दिए है. दूसरी ओर अंगीभूत कॉलेजों मे सीटों की संख्या नहीं बढ़ने की शिकायते मिल रही हैं. प्रॉक्टर प्रो बीएस राय ने बताया कि स्नातक मे होने वाले नामांकन से पहले पांच सदस्यीय समिति सीटों की समीक्षा करेगी.

शुल्क होंगे एक समान

स्नातक कोर्स मे फीस की एकरूपता लागू होगी. मनमाना शुल्क लेने वाले कॉलेजों पर कार्रवाई की जायेगी. राजभवन द्वारा अधिसूचित फीस संरचना सभी कॉलेजों को नामांकन से पहले भेजी जायेगी. इसके अलावा, सभी कॉलेजों को पिछले दो सत्रों मे स्नातक नामांकन के लिए छात्रों से लिए गए शुल्क का विवरण विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा. डीएसडब्ल्यू डॉ आलोक प्रताप सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि स्नातक मे फीस की एकरूपता लागू की जायेगी.

वेबसाइट पर खबर पढ़ने के लिए क्यू आर स्कैन कर ले.

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:.................... **Date:..........................**

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE:25.06.2025, PAGE-04

आंतरिक व प्रैक्टिकल परीक्षाओं की तिथियां घोषित

वोकेशनल कोर्स

मुजफ्फरपुर. बीआरएबीयू ने वोकेशनल कोर्सों की आंतरिक (इंटरनल) व प्रैक्टिकल परीक्षाओं के लिए तिथियां जारी हुई हैं. इन परीक्षाओं का आयोजन 26 जून से 3 जुलाई के बीच होगा.परीक्षा नियंत्रक डॉ राम कुमार ने जरूरी निर्देश जारी किये हैं. सभी कोर्स समन्वयक व पीजी विभागाध्यक्ष अपने-अपने कॉलेज व संबंधित विभागों में इन परीक्षाओं का आयोजन सुनिश्चित करेंगे. प्रैक्टिकल परीक्षाओं के लिए प्राचार्यों को स्थानीय शिक्षकों को एक्सटर्नल नियुक्त करने का अधिकार दिया गया है.परीक्षा संपन्न होने के तुरंत बाद, सभी कोर्स समन्वयक को इमेल से विवि को अंकों की जानकारी उपलब्ध करानी होगी. इस कदम से परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता व समयबद्धता सुनिश्चित होने की उम्मीद है.